समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

कचरे से कमाई का मिसाल : कानपुर के इस गांव ने प्लास्टिक से बनाई 6,000 रुपये की आमदनी

Publisher

Published on 15 Sep 2025

कानपुर जिले के एक छोटे से गांव ने एक अनोखी पहल के जरिए न केवल सफाई सुनिश्चित की, बल्कि कचरे को आय का स्रोत भी बना दिया। ग्राम पंचायत ने नेचर नेक्स्ट फाउंडेशन और स्थानीय कबाड़ियों के साथ मिलकर प्लास्टिक कचरे को बेचने का एक व्यवस्थित रास्ता तैयार किया। इसके परिणामस्वरूप गांव ने अब तक केवल प्लास्टिक बेचकर 6,000 रुपये की आमदनी अर्जित की है।

ग्राम पंचायत ने देखा कि गांव में कचरे का प्रबंधन एक गंभीर समस्या बन चुका है। खुले में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट जमा हो रहे थे, जिससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही थीं, बल्कि पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था।

स्थानीय अधिकारियों और ग्रामीणों ने मिलकर इस समस्या का समाधान खोजने का फैसला किया। नेचर नेक्स्ट फाउंडेशन की सहायता से पंचायत ने प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करने और बेचने की योजना बनाई।

गांव में प्रत्येक घर से प्लास्टिक कचरे को अलग करने का आग्रह किया गया। ग्राम पंचायत ने स्थानीय कबाड़ियों से समझौता किया और प्लास्टिक को व्यवस्थित रूप से खरीदने और पुनर्चक्रण के लिए भेजने का रास्ता तैयार किया।

इसके परिणामस्वरूप, गांव ने केवल प्लास्टिक बेचकर अब तक 6,000 रुपये की आमदनी अर्जित की है। यह राशि न केवल पंचायत के विकास कार्यों में इस्तेमाल होगी, बल्कि गांव में सफाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी।

इस पहल के चलते गांव में सफाई का माहौल बन गया है। हर तरफ साफ-सफाई नजर आने लगी है और लोग अब प्लास्टिक को इधर-उधर फेंकने की बजाय अलग कर जमा करने लगे हैं। पंचायत ने इस पहल को लगातार बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए। स्थानीय स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर प्लास्टिक प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बच्चों और नागरिकों को शिक्षित किया जा रहा है।

इस तरह की पहल न केवल स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अन्य गांवों और शहरों के लिए एक मिसाल भी प्रस्तुत करती है। प्लास्टिक कचरे को बेचकर आमदनी अर्जित करना एक ऐसा मॉडल है, जिसे अन्य क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण स्तर पर इस तरह की पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण होगा, बल्कि यह आर्थिक सशक्तिकरण का भी माध्यम बन सकती है।

ग्राम पंचायत ने योजना बनाई है कि आने वाले महीनों में अन्य प्रकार के कचरे, जैसे कागज़ और धातु, को भी अलग करके बेचने का रास्ता तैयार किया जाए। इसके अलावा, पंचायत ने प्लास्टिक पुनर्चक्रण के लिए छोटे संयंत्र स्थापित करने पर भी विचार किया है। पंचायत का उद्देश्य केवल आमदनी बढ़ाना नहीं, बल्कि गांव में स्थायी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

कानपुर के इस गांव ने दिखा दिया है कि कचरा केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। ग्राम पंचायत, नेचर नेक्स्ट फाउंडेशन और स्थानीय कबाड़ियों के सहयोग से प्लास्टिक कचरे को बेचकर आमदनी अर्जित करना एक प्रेरक उदाहरण है। यह पहल अन्य गांवों के लिए भी मार्गदर्शन साबित हो सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.